पंजीकरण सं. आर.एन. **40596/83** डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशि[illegible] 01.01 2019 इस अंक का मल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : **9810117464, 9868051444**

आर्य महासम्मेलन तैयारी बैठक

रविवार, 6 जनवरी 2019
प्रातः11.30 बजे आर्य समाज,
सन्देश विहार,दिल्ली
सायं 4 बजे आर्य समाज,
डी ब्लाक,विकासपुरी, दिल्ली
अपने निकट की बैठक में अवश्य पधारें

वर्ष-35 अंक-15 पौष-2075 दयानन्दाब्द 194 01 जनवरी से 15 जनवरी 2019 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.01.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में सांसद प्रवेश वर्मा के निवास पर

92वां स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस सम्पन्न

स्वामी श्रद्धानन्द ने सामाजिक समरसता का सन्देश दिया–सांसद प्रवेश वर्मा

स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान भवन नया बाजार को राष्ट्रीय स्मारक बनाओ –अनिल आर्य

सांसद प्रवेश वर्मा–स्वाति वर्मा को सम्मानित करते अनिल आर्य,प्रवीन आर्या,उर्मिला आर्या व सुरेश आर्य। द्वितीय चित्र–पूर्व केन्द्रीय खेल मंत्री विकम वर्मा को सम्मानित करते अनिल आर्य,शरद त्यागी,विद्यासागर वर्मा,गवेन्द्र शास्त्री व उर्मिला आर्या।

रविवार, 23 दिसम्बर 2018, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में सांसद निवास,20, विंडसर पैलेस, जनपथ, नई दिल्ली में सुप्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी, गुरूकुल कांगड़ी, हरिद्वार के संस्थापक, मूर्धन्य आर्य संन्यासी "स्वामी श्रद्वानन्द जी का 92 वां बलिदान दिवस" समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ "वैदिक यज्ञ" के साथ हुआ। सांसद प्रवेश साहिबसिंह वर्मा ने कहा कि स्वामी श्रद्वानन्द जी ने गुरूकुलीय शिक्षा प्रणाली को पुनः जीवित किया व समान शिक्षा पद्धति को बढ़ावा दिया,यह सामाजिक समरसता का एक प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज फिर से शुद्धि आन्दोलन चलाने की आवश्यकता है,जिससे जो लोग किसी कारण से विधर्मी बन गये थे,उन्हें वापिस हिन्दू धर्म में लाया जा सके।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी का दिल्ली के नया बाजार स्थित बलिदान भवन जहां स्वामी जी का बलिदान हुआ था, वह जीर्ण क्षीण अवस्था में है और वहां कई किरायेदारों का कब्जा है,हमारी केन्द्र सरकार से मांग है कि उस ऐतिहासिक स्थान को कब्जों से शीघ्र खाली करवा कर उसे राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाये। पूर्व केन्द्रीय खेल मंत्री विकम वर्मा,आचार्य महेन्द्र भाई,आचार्य गवेन्द्र शास्त्री,शरद त्यागी ने अपने विचर रखे। प्रवीन आर्या,वन्दना जावा,पुष्पा चुघ,उर्मिला आर्या,सुनीता बुग्गा के मधुर भजन हुए।

कड़कती सर्दी के बावजूद सांसद प्रवेश वर्मा के निवास पर उपस्थित श्रद्धालु आर्य जन

दिल्ली स्वामी श्रद्धानन्द शोभायात्रा में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का मोटर साईकिल जत्था

यह देश के प्रति कृतघ्नता है

– अवधेश कुमार

फिल्म अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के बयान पर मचा बावेला स्वाभाविक है। यह सोशल मीडिया के ज्वार का दौर है। पूरा फेसबुक, ट्विटर नसीरुद्दीन शाह से भरा हुआ है। नसीरुद्दीन ने भी अपनी बात कहने के लिए सोशल मीडिया का ही उपयोग किया और उसे वायरल कराने की कोशिश की। यूट्यूब पर इसे सुनने वालों की संख्या उनके सारे वीडियो को पार कर गया है। इस समय के माहौल में आपको चर्चा में आना है तो कुछ ऐसी बातें बोल दीजिए जो आग लगाने वाली हों, बड़े समूह को नागवार गुजरने वाला हो, उनके अंदर उत्तेजना पैदा कर सकता है....आपक सीधे लाइमलाइट में आ गए। लोग गाली दें या प्रशंसा करें आप चर्चा में बने रहेंगे। नसीरुद्दीन शाह भले गुमनाम न हों, लेकिन काफी समय से चर्चा में नहीं थे। अब की स्थिति देख लीजिए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान तक नसीरुद्दीन शाह की बात पहुंच गई। उन्होंने बाजाब्ता अपने भाषण में इसकी चर्चा करते हुए मोहम्मद अली जिन्ना के विचारों से इसकी तुलना कर दी। वे कह रहे हैं कि जिन्ना साहब ने इसलिए पाकिस्तान की मांग की और लड़ाई लड़के अलग देश बनाया क्योंकि उन्होंने देख लिया था कि अंग्रेजों से आजादी की लड़ाई के बाद मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बनकर जीना होगा जो उन्हें स्वीकार नहीं है और आज मोदी के शासनकाल में वही हो रहा है जिसकी आशंका जिन्ना साहब ने व्यक्त की थी।

इस तरह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की नजर में नसीरुद्दीन शाह की बात भारत में मुसलमानों के डर में जीने या दोयम दर्जे का जीवन की स्थिति का सबूत है। नसीरुद्दीन ने हालांकि इमरान की बातों का प्रतिवाद किया है, पर अगर वे ऐसा नहीं बोलते तो इमरान को भारत के बारे में दुष्प्रचार का अवसर नहीं मिलता। कश्मीर केन्द्रित आतंकवादियों और उनको प्रश्रय देने वालों के बीच नसीरूद्दीन के वीडियो सुनाने की खबरे हैं। इसे कुछ लोग मानवाधिकार संगठनों को भी भेज रहे हैं तथा इस्लामिक सम्मेलन संगठन या ओआईसी में भी इसे लाने की कोशिशें हो रही हैं। पता नहीं इस बयान का कहां–कहां किस रुप मे भारत के खिलाफ उपयोग होगा। यही पहलू चिंतित करता है कि जो देश के सिलेब्रिटिज हैं उनको बयान देते समय कितना विचार करना चाहिए। किंतु भारत में ऐसे तथाकथित बड़े लोगों और सिलेबिटिज की संख्या बढ़ गई है जिनके लिए पता नहीं देश की इज्जत और छवि से बड़ा क्या है? सोशल मीडिया पर जो गालियां दे रहे हैं या उनको पाकिस्तान चले जाना चाहिए जैसी बातें लिख बोल रहे हैं उनसे सहमति नहीं। किंतु यह स्वीकारना होगा कि नसीरुद्दीन ने जो कहा उससे भारी संख्या में भारतीयों की भावनाओं को धक्का लगा है। वे ऐसा नहीं बोलते तो भारत विरोधियों को उसे जगह–जगह उपयोग करने का हथियार हाथ नहीं आता।

नसीरुद्दीन कह रहे हैं कि मुझे समझ में नहीं आता कि मैंने ऐसा क्या कह दिया जिससे इतना बावेला मचा है। वे कह रहे हैं कि जिस मुल्क से मैं प्यार करता हूं, जो मेरा मुल्क है उसके हालात पर चिंता प्रकट करना मेरा अधिकार है। यदि दूसरे मेरी आलोचना करते हैं तो उनकी आलोचना करने का मेरा भी अधिकार है। निस्संदेह, आपको इसका अधिकार है। किंतु सर्वसाधारण से आपकी जिम्मेवारी ज्यादा है। जब आप कहते हैं कि मुझे फिक्र होती है अपने बच्चों के बारे में कि यदि वे बाहर निकले और भीड़ ने उन्हें घेर लिया और उनसे पूछा कि तुम हिन्दू हो कि मुसलमान तो वे क्या जवाब देंगे तो इसका संदेश यह निकलता है कि भारत में सड़क चलते लोगों से भीड़ धर्म पूछकर हिंसा करती है। वे कह रहे हैं कि हालात सुधरने का तो मुझे कोई आसार नहीं दिखता। भारत में ऐसी स्थिति बिल्कुल नहीं है। जाहिर है, उन्होंने किसी और इरादे से सोच–समझकर ऐसा सांप्रदायिक बयान दिया है जिसकी निंदा करनी ही होगी। उन्होंने अपने बयान के लिए बुलंदशहर की हिंसा को आधार बनाया है। बुलंदशहर की हिंसा उत्तरप्रदेश प्रशासन की शर्मनाक विफलता थी। हालांकि हिन्दू मुसलमानों के बीच के एक बड़े सांप्रदायिक हिंसा की साजिश भी विफल हुई। नसीरुद्दीन ने उनकी आलोचना नहीं की जिनने गायों को काटकर उनके सिर और चमड़े आदि ठीक सड़क के किनारे ईख की खेतों में छोड़ दिए थे। लोगों में गुस्सा था और पुलिस इंस्पेक्टर जो थोड़े लोग आरंभ में विरोध करने आए उनको ही धमका रहा था। इसका वीडियो भी सामने आ गया है कि उसने गोली चला दी जिससे एक नवजवान की मौत हो गई। एक ओर कटे गायों के अवशेष, दूसरी ओर नवजवान की मौत के बाद वहां क्या स्थिति पैदा हुई होगी इसको समझे बगैर कोई बात करने का अर्थ ही है कि आप किसी दुराग्रह से भरे हैं। ऐसा दुराग्रह आग बुझाने की जगह उस पर पेट्रॉल डालने का काम करता है। क्या हम भूल जाएं कि बुलंदशहर में चल रहे तब्लीगी इज्तमा में लाखों मुसलमान एकत्रित थे? गोकशी के कारण गुस्सा अगर चारों ओर फैलता तो क्या रुप लेता इसकी कल्पना से ही सिहरन पैदा हो जाती है। आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

यह ठीक है कि हिन्दू भी अब आक्रोशित प्रतिक्रिया व्यक्त करने लगे हैं। किंतु यह अपने–आप नहीं हुआ है। इसका कारण लंबे समय तक जगह–जगह अल्पसंख्यकों द्वारा मजहबी अतिवादिता का व्यवहार तथा शासन द्वारा उनका संरक्षण और प्रोत्साहन रहा है। इस मूल पहलू की अनदेखी कर कोई भी एकपक्षीय प्रतिक्रिया दुराग्रहपूर्ण होगी। वैसे भी देश में कहीं ऐसी स्थिति नहीं है कि बहुसंख्यक समाज अल्पसंख्यकों को डर में जीने को मजबूर कर रहा है। कुछ दुखद घटनाओं को बढ़ा–चढ़ाकर और सांप्रदायिक रंग देकर पेश किया गया लेकिन जब जाचं हुई तो उसके कारण अलग निकले। जिस तरह का भयावह चित्र नसीरुद्दीन प्रस्तुत कर रहे हैं वैसी स्थिति भारत में न थी न हो सकती है। हमारे यहां कानून का शासन है और इसको जो भी तोड़ने की कोशिश करेगा तो उसे प्रावधानों के अनुसार परिणाम भुंगतना पड़ेगा। इमरान खान अपने गिरेबान में झांके। इसी वर्ष अप्रैल में मानवाधिकार की रिपोर्ट में पाकिस्तान के बारे में जो कहा गया उससे उनका सिर शर्म से झुक जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि विचार, विवेक और धर्म की आजादी को लगातर दबाया गया, नफरत और कट्टरता को बढ़ाया गया तथा सहनशीलता और भी कम हुई। सरकार अल्पसंख्यकों पर जुल्म के मुद्दे से निपटने में अप्रभावी रही और अपने कर्तव्यों को पूरा करने में नाकाम रही। आयोग ने कहा कि ईसाई, अहमदिया, हजारा, हिन्दू और सिख जैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में कोई कमी नहीं आई और वे सभी हमलों की चपेट में आ रहे हैं। धार्मिक अल्पसंख्यकों की आबादी कम हो रही है। पाकिस्तान की स्वतंत्रता के वक्त अल्पसंख्यकों की आबादी 20 प्रतिशत से ज्यादा थी जबकि 1998 की जनगणना के मुताबिक यह संख्या घटकर अब तीन प्रतिशत से थोड़ी ज्यादा है। 1947 में पाकिस्तान की 15 प्रतिशत हिन्दू 1.5 प्रतिशत तक सिमट गई है। चरमपंथी पाकिस्तान के लिए विशिष्ट इस्लामिक पहचान बनाने पर अमादा हैं और ऐसा लगता है कि उन्हें पूरी छूट दी गई है। सिंध में हिन्दू असहज हालात में रहने को मजबूर हैं। समुदाय की सबसे बड़ी चिंता जबरन धर्मांतरण है। लड़कियों को अगवा कर लिया जाता है. उनमें से अधिकतर नाबालिग होती हैं। उनको जबरन इस्लाम में धर्मांरित किया जाता है और फिर मुस्लिम व्यक्ति से शादी कर दी जाती है।

भारत में तो हम ऐसी स्थिति की दुःस्वप्नों में भी कल्पना नहीं कर सकते। यदि जिन्ना ने ऐसे पाकिस्तान की कल्पना की जिस पर इमरान को संतोष है तो ऐसा देश और समाज उनको मुबारक हो। हमारे देश में तो जिन मुसलमानों की आबादी 1951 की जनगणना में 8 प्रतिशत से कम थी वह 15 प्रतिशत के आसपास है। पाकिस्तान से अधिक मुसलमान भारत में हैं। भारत में कोई नेता, मंत्री, बुद्धिजीवी कभी पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों की स्थिति को मुद्दा नहीं बनाता। उनके बयान पर हमारे प्रधानमंत्री उस तरह नहीं बोलते जिस तरह इमरान ने नसीरुद्दीन के वक्तव्य पर बोला जबकि यह झूठ है और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा सच है। नसीरुद्दीन या उनके जैसे तथाकथित प्रगतिशील सेक्यूलर लोग पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों के पक्ष में कभी आवाज नहीं उठाते। नसीरुद्दीन को इस देश ने सब कुछ दिया। उनकी फिल्म देखते समय हमने नहीं सोचा कि वो मुसलमान हैं। उन्हें पद्मभूषण तक से नवाजा गया। इसके बावजूद यदि उन्हें अपने बच्चों को लेकर इस देश में फिक्र हैं तो यही कहना होगा कि आप इस महान देश के प्रति कृतघ्न हैं। क्या नसीरुद्दीन को अफसोस नहीं हुआ कि उनके बयान का किस तरह पाकिस्तान भारत को बदनाम करने मे उपयोग कर रहा है, जेहादी आतंकवादी उपयोग कर रहे हैं?

–ई.:30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्लीः110092,
दूरभाषः 01122483408, 9811027208

शनिवार, 19 जनवरी को बहरोड़ चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वाधान में शनिवार, 19 जनवरी 2019 को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक महर्षि दयानन्द योगधाम, नारनौल रोड़, बहरोड़, जिला अलवर में 51 कुण्डीय यज्ञ व आर्य महासम्मेलन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य भी मुख्य अतिथि के रूप में पधार रहे हैं। सभी आर्य युवा भारी संख्या में पंहुच कर उत्साह बढ़ाये **–रामकृष्ण शास्त्री, प्रान्तीय अध्यक्ष**

वीरवार, 10 जनवरी को सोनीपत आओ

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वाधान में वीरवार, 10 जनवरी 2019 को प्रातः 9.30 से दोपहर 12.30 बजे तक गोसांई धर्मशाला, निकट विजय हाई स्कूल, सिक्का कालोनी, सोनीपत में 11 कुण्डीय यज्ञ व प्रान्तीय प्रभारी श्री मनोहरलाल चावला का जन्मोत्सव सोल्लास मनाया जायेगा। आचार्य महेन्द्र भाई यज्ञ के ब्रह्मा रहेंगे। श्री अनिल आर्य मुख्य अतिथि के रूप में पधार रहे हैं। सभी आर्य जन सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं **–सूर्यदेव शर्मा, जिला अध्यक्ष**

आर्य महासम्मेलन आवास सूचना

जो आर्य बन्धु अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन में दिल्ली से बाहर से पधार रहे हैं उनसे निवेदन है कि कृपया आवास प्रबन्धक श्री दुर्गेश आर्य–9868664800 या श्री देवेन्द्र भगत–9958889970 पर अविलम्ब सूचित करें।

आर्य सेवा शिविर सूचना

आर्य महासम्मेलन में सेवा दानी कार्यकर्ता वीरवार, 31 जनवरी 2019 को दोपहर 1 बजे सम्मेलन स्थल पर रिपोर्ट करेंगे तथा रविवार, 3 फरवरी 2019 को सायं 6 बजे सेवा शिविर समाप्त होगा। कृप्या सेवा भावी कार्यकर्ता प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता–9971467978 पर सूचित करें व अपना परिचय पत्र बनवा लें।

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ओ३म्॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 40 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

वायु प्रदुषण, पर्यावरण शुद्धि व राष्ट्र की सुख समृद्धि हेतु

डॉ. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता व आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व में,

स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी के सान्निध्य में

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 1, 2, 3 फरवरी 2019 (शुक्रवार, शनिवार, रविवार)

स्थान : पंजाबी बाग स्टेडियम, रिंग रोड, नई दिल्ली-110026 (मेट्रो स्टेशन, पंजाबी बाग)

राष्ट्रीय एकता शोभा यात्रा : शनिवार, 2 फरवरी 2019, प्रातः 10.30 बजे से

रूटः पंजाबी बाग स्टेडियम से शुभारम्भ वाया वेस्ट एवेन्यू, सेन्ट्रल मार्किट, आर्य समाज, गुरु नानक स्कूल, लाल बत्ती से बाएं, नॉर्थ एवेन्यू, क्लब रोड, मादीपुर चौक से दाएं, मादीपुर गांव, अरिहन्त नगर, वेस्ट एवेन्यू होकर वापिस स्टेडियम पर समापन।

संयोजक-लॉयन प्रमोद सपरा, वीरेश बुग्गा, डॉ. दीपक सचदेवा, डॉ. विपिन खेड़ा, विश्वनाथ आर्य, सन्तोष शास्त्री, वीरेश आर्य, राकेश भटनागर, योगेन्द्र शास्त्री, प्रवीण आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य, डॉ. विशाल आर्य, ब्र. दीक्षेन्द्र, के.एल. राणा, ओमवीर सिंह, दिनेश आर्य, के.के. यादव, ईश आर्य, देवदत्त आर्य, विक्रांत चौधरी, विपिन मित्तल, जीवनलाल आर्य, सीमा-रोहित धींगड़ा, के.के सेठी, माधव सिंह, अशोक सरदाना, डिम्पल-नीरज भंडारी, नरेश विग, सुनील अग्निहोत्री, कस्तूरीलाल मक्कड़, सुरेन्द्र कोछड़, वेदप्रकाश आर्य, डॉ. मुकेश सुधीर

मुख्य यजमान : सर्वश्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री, राजीव कुमार परम, अरुण बंसल, सुरेन्द्र मानकटाला, महेन्द्र मनचन्दा

शुक्रवार 1 फरवरी, 2019

101 कुण्डीय विराट यज्ञ	:प्रातः 8.30 से 10.30
ध्वजारोहण	:प्रातः 10.45 बजे
आर्य महिला सम्मेलन	:11.00 से 2.00 बजे
आर्य युवा सम्मेलन	:2.15 से 5.00 बजे
व्यायाम शक्ति प्रदर्शन	:5.00 से 6.00 बजे
भव्य संगीत संध्या	:रात्रि 7.00 से 9.00 बजे

शनिवार 2 फरवरी, 2019

यज्ञ	: प्रातः 8.30 से 9.30
ध्वजारोहण	: प्रातः 10.00 बजे
राष्ट्रीय एकता शोभा यात्रा	: प्रातः 10.30 से 1.30
राष्ट्र रक्षा सम्मेलन	: दोपहर 2.30 से 5.30
सामुहिक सन्ध्या	: सायं 5.30 से 6.00
वेद संस्कृत रक्षा सम्मेलन	: रात्रि 7.00 से 9.00

रविवार 3 फरवरी, 2019

151 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रातः 8.30 से 10.30
ध्वजारोहण	: प्रातः 11.00 बजे
राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन	: 11.30 से 2.30
शिक्षा संस्कृति बचाओ सम्मेलन	: 2.30 से 4.30
कार्यकर्ता सम्मान समारोह	: सायं 4.30 से 5.00 बजे
धन्यवाद एवम् शांतिपाठ समापन	: सायं 5.30 बजे

दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने की संख्या व समय के बारे में व यज्ञमान बनने के इच्छुक 15 जनवरी 2019 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास का उचित प्रबंध किया जा सके। सम्पर्क : देवेन्द्र भगत-9958889970, दुर्गेश आर्य-9868664800, राजीव आर्य-9968079062 सुनील सहगल-9968074213, सौरभ गुप्ता-9971467978, अरुण आर्य-9818530543, वरुण आर्य-8586801154, विनोद कालरा-9899444347

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा "केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली" के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि-लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, शुद्ध घी, रिफाईन्ड, सब्जी, मसाले आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

निवेदक

अनिल आर्य	यशोवीर आर्य	आनन्द चौहान	डॉ. रिखबचन्द जैन	सुभाष आर्य	सुरेन्द्र कोहली
राष्ट्रीय अध्यक्ष	रामकुमार सिंह	ठाकुर विक्रम सिंह	डॉ. लाजपत राय आर्य	कैलाश सांकला	नरेन्द्र आर्य सुमन
महेन्द्र भाई	सुभाष बब्बर	मायाप्रकाश त्यागी	योगराज अरोड़ा	रवि चड्डा	गायत्री मीना
राष्ट्रीय महामंत्री	स्वतन्त्र कुकरेजा	चन्द्रमोहन खन्ना	रमेश कुमारी भारद्वाज	राजेन्द्र लाम्बा	बलदेव जिन्दल
सुरेश आर्य	आनन्द प्रकाश आर्य	प्रदीप तायल	धर्मपाल कुकरेजा	बलदेव सचदेवा	डॉ. गजराज सिंह आर्य
सुशील आर्य	राम कृष्ण शास्त्री	प्रवीन तायल	प्रेम कुमार सचदेवा	सत्यानन्द आर्य	ब्रह्मप्रकाश मान
राष्ट्रीय मंत्री	कृष्ण प्रसाद कौटिल्य	अमित मान	प्रिं. अंजु महरोत्रा	आर.पी. सूरी	रविदेव गुप्ता
धर्मपाल आर्य	भानुप्रताप वेदालंकार	विकास गोगिया	सत्यवीर चौधरी	सुभाष मित्तल	ए.के. धवन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	स्वागताध्यक्ष		स्वागतमंत्री	

स्वागत समितिः आ. प्रेमपाल शास्त्री, ओम सपरा, धर्मपाल परमार, अंजु जावा, नरेन्द्र कस्तूरिया, देवमित्र आर्य, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्पकरणा, जितेन्द्र डावर, गवेन्द्र शास्त्री, प्रवीण भाटिया, राजरानी अग्रवाल, विवेक-हीरालाल चावला, डॉ. विनोद क्षेत्रपाल, अमरनाथ बत्रा, भोपाल सिंह आर्य, अरविन्द आर्य, विजय भास्कर, विजयारानी शर्मा, अमीरचन्द रखेजा, चन्द्रप्रभा अरोड़ा, राजेन्द्र दुर्गा, राजेन्द्र निझावन, ओमप्रकाश यजुर्वेदी, चतरसिंह नागर, सुरेन्द्र शास्त्री, रामलुभाया महाजन, आदर्श आहूजा, प्रदीप गोगिया, सुशील बाली, डॉ. धर्मवीर आर्य, ओमप्रकाश गुप्ता, रणसिंह राणा, अशोक आर्य, बृजेश-पीतम गुप्ता, रमेश गाडी, सरोज-जवाहर भाटिया, मनोहरलाल चावला, हरिचन्द स्नेही

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9810117464, 9213402628, 9871581398, 9013137070

E-mail: aryayouth@gmail.com **Website:** www.aryayuvakparishad.com

Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

परिषद् की हरियाणा प्रान्तीय बैठक करनाल में सम्पन्न

शनिवार, 22 दिसम्बर 2018, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हरियाणा की प्रान्तीय बैठक आर्य समाज, सैक्टर–13,करनाल में सोल्लास सम्पन्न हुई। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य ने दिल्ली आर्य महासम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया। चित्र में–आर्य केन्द्रीय सभा करनाल के प्रधान श्री आनन्दसिंह आर्य को सम्मानित करते श्री अनिल आर्य, स्वामी सच्चिदानन्द जी व श्री मनोहरलाल चावला व रामकुमार आर्य। द्वितीय चित्र–श्री शान्तिप्रकाश आर्य को सम्मानित करते अनिल आर्य, अजय आर्य, रोशन आर्य, प्रवीन आर्या, अर्जुनदेव वर्मा व प्रान्तीय अध्यक्ष स्वतन्त्र कुकरेजा। प्रान्तीय महामंत्री वीरेन्द्र योगाचार्य ने कुशल संचालन किया।

आर्य समाज, सैनिक विहार व सूर्य निकेतन, दिल्ली में उत्सव सम्पन्न

आर्य समाज, सैनिक विहार, दिल्ली के उत्सव में श्रीमती तृप्ता आहुजा को सम्मानित करते आचार्य सोमदेव जी (अजमेर), अनिल आर्य, माता कृष्णा सपरा, उर्मिला आर्या, सुषमा आर्या व सोनल सहगल आदि। द्वितीय चित्र–रविवार, 23 दिसम्बर 2018, माता सुशीला–हरिदेव "आर्य वीर" की स्मृति में वैदिक सत्संग का आयोजन आर्य समाज सूर्य निकेतन, दिल्ली में किया गया। युवा गायक अंकित उपाध्याय के मधुर भजन हुए। चित्र में–समारोह अध्यक्ष श्री अमीरचन्द रखेजा को सम्मानित करते रविन्द्र मेहता, अनिल आर्य, प्रधान यशोवीर आर्य, यज्ञवीर चौहान, राजीव कोहली, ऋषिपाल खोखर व महेश भार्गव। आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया।

स्वामी श्रद्धानन्द शोभायात्रा में परिषद् के शिक्षक व अमर कालोनी में बैठक सम्पन्न

मंगलवार, 25 दिसम्बर 2018, दिल्ली के चांदनी चौक में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के साथ शिक्षक सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, राकेश आर्य, माधवसिह आर्य, प्रदीप,वरूण, विवेक अग्निहोत्री आदि। द्वितीय चित्र–आर्य समाज,अमर कालोनी, नई दिल्ली में प्रधान जितेन्द्र डावर, मंत्री ओमप्रकाश छाबड़ा,अनिल आर्य,प्रि.अर्चना पुष्करना,प्रवीन आर्या व विद्यालय के अध्यापकगण।

रविवार, 16 दिसम्बर 2018,आर्य समाज, दुर्गापुरी, दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर आर्य भजनोपदेशक अंजलि आर्या के साथ रामकुमार आर्य, महेन्द्र भाई, नरेन्द्र आर्य, रामदेव आर्य आदि अधिकारी गण। द्वितीय चित्र–मंगलवार, 25 दिसम्बर 2018, स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर आर्य समाज, दीवान हाल, दिल्ली के मंच चांदनी चौक में सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी सम्बोधित करते हुए। साथ में अनिल आर्य,प्रधान मेजर डा. रविकांत, मंत्री तेजपाल मलिक व पुष्पेन्द्र आर्य, प्रवीन आर्य व के.के.सेठी।

आर्य समाज वजीरपुर, जे.जे. कॉलोनी, दिल्ली में निमन्त्रण दिया।

शोक समाचार : विनम्र श्रद्धांजलि

1. दानवीर लाला दीपचन्द आर्य (कीरतपुर,बिजनौर) का निधन।
2. श्री भगवानदास विरमानी (पिता श्री गुलशन विरमानी) का निधन।
3. श्रीमती प्रेम कंवर (माता श्री रामसिंह आर्य, जोधपुर) का निधन।
4. श्रीमती प्रेमचद्रिका वर्मा (धर्मपत्नि आचार्य महावीर शास्त्री, सादतपुर) का निधन।
5. श्री लोकनाथ राजपाल (मोती नगर) का निधन।
6. श्रीमती शकुन्तला आर्या (धर्मपत्नि श्री हरीशचंद आर्य, मंत्री, आर्य समाज, बाहरी रिंग रोड, विकासपुरी) का निधन।
7. श्रीमती कुसुमलता गुप्ता (आर्य समाज, डी ब्लाक, जनकपुरी) का निधन।
8. श्रीमती ठाकरीदेवी विरमानी (माता सुभाष विरमानी, गुरूग्राम) का निधन।
9. श्री जनेश्वरदयाल त्यागी (प्रधान, आर्य समाज, लाजपत नगर, साहिबाबाद) का निधन।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970